

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५५॥ गान डी क म ल डि पा ड पा ड धि र म इ ड न न न

॥ शक ताप इत्यपि वृत्तानुमात्रेन ॥ २५ ॥ सुतेही

वसिष्ठ किं किं न शीतलिया पाडा वी

• त्रिषोक्तं यत्किं वदतां वदतां वदतां ॥ १॥ यत्किं वदतां

ममकायस्येनानेअयत्रकलमिवात्राठिह्यम

। वप र ड स य र नि ॥ १० ॥ ॥ रु रु म व नी रु म व
। ग (य स न्ना थु संसा र पु र स्व वि ना ण ति रि ड न ग
। (य र नी व ॥ ६ ॥ ॥ ड व व ड थु स्य थु स्या मि व ण
। स्व रि पि ण स्या व या न स्व रि ण स्व रु र ॥ ७ ॥ ॥ व
। या ड डि आ ग नी ॥ ८ ॥ ॥ अ रि न प क या रि ण ड ग
। न व म ड रु का म ता ना ग रि मि न द स त व र रु रु

॥ वप र ड स य र नि ॥ १० ॥ ॥ रु रु म व नी रु म व

। नी ॥ १० ॥ ॥ ड न थ रि ड म या थु ग न ना ण थु न क
। उ ग र या ता द रि थु वी न ग थु म द ड ॥ ११ ॥ ॥ उ थ
। ग थु थु व रा ण ॥ म र न थु ड वि ना ण ॥ ग रि त ग
। ना व ड ण डि व रु ता ड क र ण नी ॥ १२ ॥ ॥ ० थि न रि
। द न ड व म या र ण द रु रु र ना र व र म द द्या त व र
। स्य रु र थु म डि ड ॥ १३ ॥ ॥ उ थि व न वि र डि ड ग थि
। र नी थु र ड न अ रु ता ति रि व मा या गी र ट

ॐ वा हा वि ॥ १५ ॥ ट तमया रे स र म इ नु ग र क व
दि रु व. ति रि त्र नि ५ र का डा वा हा डा जि ता य त नि
॥ १६ ॥ ल या व रु सा र रु न रु त र प म द य क य रु
र य या ति रि या क मा या म द य म व ॥ १७ ॥ त म
॥ १८ ॥ य थ डा रु ल रि हा य द न न द र य ल त रि न ड
प स म या य रि न य्या हा नी ॥ १९ ॥ य नि रि ल

॥ सु व हा य ५ थ रु र म य सा य नु ग र स हा य
॥ ता डा का या व रु या ता न नि ॥ २० ॥ द या व द य
कि रु प रु ल सा रि नि मि ॥ सा य डा रि वि ना ल म
॥ न या द स न वि र नि ॥ २१ ॥ ५ यु रु ग य या य
॥ न म म म रु म ल व रु या रु या डा रु न न ल दे व या
॥ न म रि व ॥ २२ ॥ व स या या य रु र ल ज को ज

सुम नि व वि य वि न सुम हा डा आ हा रा डि क र म
 नि ॥ २२ ॥ प र ६ स ल यि कु म हु ॥ न न व व वि र
 व डि ट थु गु रि व व न डि त प टि या र वि ह ॥ २३ ॥
 रु स व रा ज रे र व ॥ न न स न ॥ द न द व य मि न न या
 स य न म हु थु रि न डि ग य ॥ न नि ॥ २४ ॥ व र त र व
 यो हा ॥ स स र त य द न र व स ॥ य म हा न यो हा ति

प्रिम रुमस्य ट रनि ॥१५॥ त स प्रपु तु स्व आति वं
य प्रवृ म ड ज टि म् उ मि ला या के मन । स रत पंश
नानि ॥१६॥ म न ण म य प्र वृ स । अ वृ या के दे व्रा
हा वे डा स या अ म का य क धा न ब्र म डि डी ॥१७॥
य स्य का ण का य वृ न य या न थ य क्र रे ना । पु रु व
या व रु म श्व स्थ या डा ति हा य नि ॥१८॥ त स

॥ पत्रव्य सुते ॥ ३ ॥ विद्रव रनास ककुटं ॥ विद्रव र
॥ त्रिपुटं गतहिं ॥ विद्रव र सुति स्रति नीणाव ॥ ४ ॥
॥ नमो को ग्यवस्य पत्रव्य सुते ॥ ५ ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं
॥ तं तु ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं ॥ ६ ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं
॥ तं तु ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं ॥ ७ ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं
॥ तं तु ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं ॥ ८ ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं
॥ तं तु ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं ॥ ९ ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं
॥ तं तु ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं ॥ १० ॥ ॥ नववस्य नास ककुटं

इ थ डी ॥ त व मि इ ० डी ॥ ॥ ॐ कु वा ल ख कु ओ र ॥
य थ व व र सा त्र इ ० डी क या ॥ ॥ हो प डी त ख कु मा त
ह य र ति सा डि १ क न का पु न सा क क या द सा ॥ ॥
०० वा ॥ १ म ॥ वि ख ॥ मि थु ॥ क क ॥ ॥ ॥ क न ॥
॥ त ॥ वि ॥ ॥ ॥ म क ॥ कु र ॥ मि नी ॥ वा ड ॥ इ सा ॥
॥ ति त ॥ व थ ॥ प य ॥ ख ठ ॥ रा त ॥ ज ति ॥ न मि ॥ द सा ॥

॥ ॥ को ॥ ॥ ॥ ॥ य ॥ ॥ पु ॥ ॥ मा सि ॥ ॥ ॥ ज ग नि न ॥
॥ ॥ स र वा सा न ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

२३८ नून अत्र या का प र वा सा न रा अ स डा त ॥ म ग ति ॥

२३९ नून अत्र या ॥ त्रि न वा सा न रा अ स डा त ॥ स न स हा ॥

२४० वा सा अ न अ न या ॥ वा य ति वा सा न म नु अ डा त ॥ ए ग ॥ म र

२४१ वा सा अ न अ न या ॥ वा य ति ॥ वा सा न म नु अ डा त ॥ वा न र स हा ॥

२४२ व ध न अ न या अ द ॥ र वा सा न ड ड डा त ॥ वा न र ग ॥

२४३ नून अ न या ॥ वा ज्ञा त वा सा न रा अ स डा त ॥ म रिव क स ति ॥

२४४ त रि व न अ न या ॥ स स सा वा सा न रा अ स डा त ॥ तु रं ग स हा ॥

२४५ व र ड न अ न या ॥ वा य ति वा सा न म नु अ डा त ॥ मं च स हा ॥

२४६ व र ड न अ न या ॥ वा य ति वा सा न म नु अ डा त ॥ मं च स हा ॥

२४७ व ति न अ न या ॥ य क वा सा न ड डा त ॥ ग ड स हा ॥

२४८ न मी ए ग व ति वा ज्ञा त वा य ॥ वि लु प डं र क दि का ॥ स व

इ स नि वा र ल ॥ उ ग ते ड म स वि ड ॥ १ ॥ स व स फ नि कि

नि न ॥ ति प रं द ड म नी तु व ड ल ॥ ए ग त क रं ॥ त ड रं सै प्र व आ

मि ॥ आ स म र स ड र वं ॥ २ ॥ वा र्द रं क रं ग म वि न्द ॥ उ च

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अन्ती ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ पतिष्विव कुरुवंतः ॥
 विष्णुर्वन्द्यः प्रपविर्वाहः ॥ विष्णुर्गतिमतीतः ॥ ०१ ॥ साकं द्वा
 रं पत्युश्च ॥ सग्रेभ्यो ग्रसकः ॥ नादियुगलनः ॥ ०२ ॥
 श्रीधरासहस्रसूयः ॥ ११ ॥ जुगोदग्धनापाठितुः ॥ सत्य
 सविनासनी ॥ १२ ॥ किन्नासतुष्टयः ॥ सप्तनासिकदायकः ॥
 ॥ १३ ॥ त्रिरुहकमहादेवः ॥ त्रिरुहकमहेष्टुरः ॥ त्रिरुहकमहेष्टुरः ॥

[illegible]

• यि ररु ते कं न्या । • मा ध्या यि ररु त्थ गतिं ॥ ज पु त्ता ररु ते
पु त्ता ररु त्ता य्या ररु ते मु य ॥ ११ ॥ क मा यि ररु ते क मी । वि ब्रु
भा कं स ग रू ति ॥ ज पु त्ता ररु ते न्द्र ह म दि न्द्र ॥ मा भा ध्या त्थ ति क
ज ॥ १६ ॥ न स्य स क र र ग म ॥ स त्ता स त्ता व त्त म न्द्र ज्वा दि त्ता न
प ति वि ब्रु ॥ दं लु पा ली म न्द्र ज्वा र ॥ १२ ॥ यं ज्वा त्ता मि स्म र मि ढ ॥
स वे ग्या नि वा र ॥ १३ ॥ ति र्ब ज्वा ॥ १४ ॥ ज्वा र क्तं ॥ वि ब्रु तां क र टा
न स मा क ॥ १५ ॥ क र म न्द्र थ व न्द्र अ स्य र त्ता थु व न्द्र न ॥ र व न्द्र ड म

[illegible]

॥ भो सा सा ह्याक ति लोदिद्या ह्या तो सा।ना म लोदि।कस्य सा
॥ ॐ वा।सं म द त पाय ॥ हति हति गुनिका तु न नि सं ता वेंपि
॥ जा पं थ वा स्य ॥ ॥ ॥ जं वा सा म ॐ हति दि वा।ना म द म्य।
॥ सा।दि वं शाय र जा ॐ वा।णी म द त पाय ॥ हति हति गुनिका
॥ तु न नि सं ता वेंपि मा पं थ वा स्य ॥ ८ ॥ ॥ जा र जा म गु वा
॥ र म भो सा सा मि द रि व सा सा र ड वि सा द वा र वि पु रि ग म सा
॥ हति हति गुनिका तु न नि सं ता वेंपि मा पं थ वा स्य ॥ ९ ॥ ॥
॥ गु वा न म्य ॥ १० ॥ ॥ भो सा सा मि।त र र मा र ॥ ११ ॥ ॥

॥ हति न त गति का तु नीनि सै रा वैपि मा यं थ वा हें ॥ १० ॥

॥ सा य रति ॥ गु ड त रे ॥ कु वा रति ॥ पु णा दि वा ह्या द गी गु थि

॥ अति सै का ह्य वि मति ॥ हति हति ॥ गति का तु नीनि ॥

॥ सै रा वैपि मा यं थ वा ह्य ॥ ११ ॥ दा ति नि य ॥ त र सति ॥

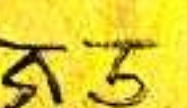
वा ति मि रे ॥ त ह्य मि य ॥ प त डा हें वा जा यं गी ह ग्य ह्य ॥

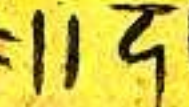
॥ हति हति गति का तु नीनी सै रा वैपि मा यं थ वा ह्य ॥

॥ रा गी त र कृति गु हति ॥ रा गी  क ता वकि ग्य य हा रा

॥ स ट र भे गति मि ॥ ह्य नी यानि वि हा डी जी रा  ति ति ॥

॥ व ह्य ति रु डी हा हा ति आदि का र ॥ १२ ॥ द भी ता कै ति र ड

॥ त र ड ड  रा न भी रा ॥ य जी  यानि वि हा व न रा ति ति व ह्य ॥

॥ स र ह्य ति रु डी हा हा ति आदि का र ॥  ॥ द रि व न ड वा र ता

॥ क ता र सै रा आ द दं यानि ॥ यै ह्य नी र ड ड वा र ता न  ति व

॥ क  स र ह्य रु डी हा हा ति आ  दि का र ॥ १३ ॥ पा र की

॥ म डु वा र त वं य ति म ह्य नी कु वै रं ॥ १४ ॥ यै ह्य नी रु वा र ता

। न म्भु ते शिवस्य सतस्यति रुडिहा रु ०० ॥ आदिकार ॥ १ ॥

०३८ रुडिहा रंता नगा दे स कु मा दे व ॥ अस्मिन् नदु वा र ता न म्भु

। तसि वस्य सतस्यति रुडिहा ता ०० आदिकार ॥ २ ॥ यु ३

। वदु वा र ता य गा डा त्रि ज न पु न ॥ अस्मिन् नदु वा र ता य म्भु ते सी

वस्य सतस्यति रुडिहा रु ०० आदिकार ॥ ४ ॥ आ का स द वा

न ता य वं मा विष्णु ०० रुडा रं ॥ अस्मिन् नदु वा र ता य म्भु ते शिवस्य स

रुडिहा रुडिहा ता ०० आदिकार ॥ ५ ॥ नि पा न स च य स प टि

को ॥ शिवि म्भु ते ता य द्य मा मि ति मि ति नि रं ते ॥

॥ शिव ॥ ॥ ॥ अस्मिन् नदु वा र ता य म्भु ते शिवस्य स

रुडिहा रुडिहा रु ०० आदिकार ॥ ६ ॥ रु न य वि द्या

प विष्णु ता म ज पा र व ति ॥ ७ ॥ अस्मिन् नदु वा र ता य

य म्भु ते शिवस्य सतस्यति रुडिहा रु ०० आदिकार ॥

नि य मि ति रु य रु य व न ॥ ८ ॥ गु ट मा ट मा ॥ ९ ॥ पा ट

। रु ड वा र ता य वा र स कि ना ज रु ०० ॥ अस्मिन् नदु वा र ता य

म्भु ते शिवस्य सतस्यति रुडिहा रु ०० आदिकार ॥ १० ॥

२३ न भो कृष्ण यः गु रू दे ल भो कृष्ण मा ॥ तातु न न म् ज्ञा वायः ॥
 • मा सा ट भ न म् ॥ ३६ डा ता ति ॥ म्प रु व त क न क म्प य • म् ॥
 • ३॥ ३६ व ड म्पा पा छ ॥ ३६ रु डं ग ॥ रु नि म्नि कि त ना ॥
 • ३६ त ग्गं वं ३६ का रा के रा ३॥ ति मि रा ह्य प म दि ट दि द य ॥
 • ३६ व वि द्या व ति व त ॥ म्प मु गु क्का र र ता म्नि व र व च
 • ना स र मा या ति ग ३६ आ या टा गु र म् क मा या ला म्प त गु र
 • ग ल म्पि व गं ३६ व र ना ग म् ३६ ॥ कु ता • उ कि न् ३६ उ ग रु ३६

रु नि म्नि

• रा क वं म्पा दि ३६ डा पु आ पं वा प वा ३६ य र व ल नि टि मि ॥ द
 • म्प द नि दू र ३६ य र ग ट या ता वा वा या नि पु र म्पि मि र ता ॥
 • ३६ मा या ल म्प गु ३६ न म्प कृष्ण व ल भो ३६ मा म न म्प ३६ द
 • य न भान म्प ३६ ३६ न भो ग्ग न् डा म्प वि द्या चि ते रा व म्प ॥
 • ३६ न दि मि वा ग ३६ ३६ त मि वि हा र ग ३६ ३६ म्प म्प ग वा ३६ ॥
 • मि त रु मि म्प सा वा त न पु ३६ ३६ न भो ३६ न द्या वा ग ३६ ३६ ॥
 • य र म्प मि म्प ता ग रि ना पु म्प कृष्ण ३६ ३६ ग वा म्प न ३६ ॥

यस्य मया यथुगुप्रियद्यनः ॥ यस्तथा कका अडासनरुद्रक
प्रातः ॥ यथुगुप्रियकनपासा रुद्रा रुद्रा ॥ १३ ॥ यस्तथा कका
यावत् ॥ जाडा गनः ॥ तस्मिन् वा तस्मिन् दृष्टं जावत् निनी क्रिया त्व
या ॥ यथुगुप्रियकनपासा रुद्रा रुद्रा ॥ १४ ॥ वसक रुद्रा सा
॥ तस्य रति रुद्रा ॥ तस्य रुद्रा दर्थ युका सस्य वसदः ॥ यनः ॥
यथुगुप्रियकनपासा रुद्रा वन रुद्रा ॥ १५ ॥ यव रथ कन मयान
गति वयनः ॥ यदि क क वन पासा न गति वयनः ॥

यथुगुप्रियकनपासा रुद्रा वन रुद्रा ॥ १६ ॥ तनु मास्व ननु
यवि द्या वन सवा ॥ यस्तथा दिन डी स्य रवि द्या वन वात
॥ यथुगुप्रियकनपासा रुद्रा वन रुद्रा ॥ १७ ॥ क त्व वसता रुद्रा
सा गमासि ॥ दास गं गत पाय र सु र मा र ॥ यस्तथा वन
य क र थानः ॥ दृष्टं न जति वत रुद्रा क रुद्रा रुद्रा
क स क स सा र ॥ यवि रुद्रा गति रुद्रा न र्थ थ क रानि रुद्रा
न व र न सं ज्ञानः ॥ १८ ॥ ज सु र य नि रुद्रा व क र रुद्रा रुद्रा

कावमरुते ॥ ८ ॥ अजंकार ॥ ९ ॥ अजं नव सञ्जाल्य तु न
संज्ञं यत्वा यावान् ॥ १० ॥ अविश्वं गिरु वनर्थं यत्कुतानी
हि गुणं न सञ्ज्ञानं ॥ ११ ॥ नडाडा सवडु थ विथाननका
वडानर्थं तु तु तु वाताका ॥ १२ ॥ वाकं स्य कटगट सवडु तु तु तु
दम तु वाकं शवडु ॥ १३ ॥ अविश्वं गिरु वनर्थं यत्कुतानी हि
गु नव सञ्ज्ञानं ॥ १४ ॥ सिव कदय सवयति तु ट अम
न स अतिर सत्त दत्तनं ॥ १५ ॥ नितु सि इ स्य हा क स मुद स न

पत वडु तु ॥ १६ ॥ अविश्वं गिरु वनर्थं यत्कुतानी हि गुणं
नव सञ्ज्ञानं ॥ १७ ॥ इरु कवततं काव क स त रं इरु
गु न मुनाडा ॥ १८ ॥ ग विन सत्त इरु कडानर्थं तात या जने ग
हि ताने दया व ॥ १९ ॥ अविश्वं गिरु वडानर्थं यत्कुतानी हि गुणं य
न सञ्ज्ञानं ॥ २० ॥ १२ स रं स य व काति म वि शा म द
का या पं व पा र ता ना व त या ॥ २१ ॥ स न दु रि वि य मा ॥ २२ ॥ हा स द
॥ २३ ॥ या त र या ग य ॥ २४ ॥ अ वि र ग डी ति ना म व दि का ॥ २५ ॥

बं हा मा ॐ रु ग ठ ड ५५ ५ ॥ द ॐ य क ५ ॥ नं ॥ सं ग रा म जो धी नं ॥
 डा गि नी ण व ग न ५ ॥ ५१ ॥ र ग ति रा व न ॥ वि दू सा र नं ॥ प्रि पा
 रि नी या द र स न ५ ॥ अ म कु ट का डी ॥ को ५ न ती ती ना ॥ को रु स रु
 बा ण मि र वा क न ५ ॥ नि रा नं कु थ ना रु ट रु तं य अ रु स य र वा ५ ॥ ५२ ॥
 ॥ द रि व न म सा न स न ॥ रु न ना ति र स ॥ सु व न या रि त म नं ॥ व स या कु
 स र ५ म नु ना ५ ५ न व स ॥ ल ५ र व रु नु य धा नि व रा रु ५ मा न ५ ॥
 ॥ ५३ ॥ वा ग म ति स भो त रु या व ॥ स या व न स सि डी ॥ जी व र

॥ नं ५ ॥ अ य मु ना डी र ॥ न न रु रु त पा रि ट वा द या हा ५ ॥ ५४ ॥
 ॥ मा रु क ग न ॥ मा ५ वा हा ण ॥ ना ग रु ड र रु व ॥ मु रु ५ ॥ अ रु य
 वि नू रा ग थि न र रु य ति री र व ना ता न न ५ ५ र ५ ॥ ५५ ॥ ५६ र
 ॥ ग ति रा व न ॥ वि दू नी सा र नं ॥ प्रि पा रि नि या द र स न ५ ॥

आशा मरुट

268

AGHA APOLIVES

